



भारत का राजपत्र The Gazette of India

27/3/86

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 589] नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 11, 1985/अग्रहायण 20, 1907
No. 589] NEW DELHI, WEDNESDAY, DEC. 11, 1985/AGRAHAYANA 20, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर, 1985

का. आ. 894(अ)/16 आईडीआरए/85.—केन्द्रीय सरकार, विकास परिषद्
(प्रक्रिया सम्बन्धी) नियम, 1951 के नियम 4 और 5 के साथ पठित उद्योग (विकास
और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों

का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार, उद्योग मन्त्रालय, औद्योगिक विकास की अधि-
सूचना सं. का. आ. 415(अ)/8/उ. वि. वि. अ./84, दिनांक 4 जून, 1984
में निम्नलिखित संशोधन करती है —

श्री जी. आर. इनमदार, के नाम के स्थान पर जो पैरा 2 में दिया गया है
श्री एम. पी. सिंह का नाम प्रतिस्थापित किया जाना है ।

[फा. सं. 1 (41)/82-एल. आर.]

ए. पी. सरदान, सगल सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, 11th December, 1985

S.O. 894 (E) [6/IDRA'85].—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), read with rules 1 & 5 of the Development Councils (Procedural) Rules, 1952, the Central Government makes the following amendments in the Government of India Notification No. S.O. 415 (E) [6/IDRA'84, dated 4th June, 1984 Ministry of Industry, Department of Industrial Development :—

The name of Shri G. R. Inamdar, as appears at para 2, may be substituted by the name of Shri M. P. Singh.

[F. No. 1(41)/82-LR]

A. P. SARWAN, Jt Secy.